सूचना पत्रक (Information sheet)

उद्देश्य : इस पाठ के अन्त में आप निम्नलिखित कार्य करने योग्य होंगे :
- **सूचना पत्रक और उसके तत्वों का वर्णन करना**
- **सूचना पत्रक के लाभ/सूचना पत्रक के हानियां**

सूचना पत्रक (Information sheet)

- तैयार की गई सामग्रीयों विद्यार्थियों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार होनी चाहिए।
- यह एक सूचना विषय में शामिल अनुदेशों को शामिल करता है।
- यह सीखने की वास्तविक जानकारी और प्रक्रिया की अच्छी समझ और ज्ञान को सहायता करता है।
- एक सूचना पत्र में 6 अलग-अलग तत्व अर्थात् इकाई संख्या, इकाई पाठ संख्या का शीर्षक, बाहरी जानकारी और सामग्री का संदर्भ होना चाहिए।

इकाई संख्या : यह इकाईयों की संख्या को दर्शाता है।

इकाई का शीर्षक: यह इकाई का सटीक शीर्षक है ताकि विद्यार्थीयों को पता चले की इकाई का मुख्य क्षेत्र क्या है।

पाठ संख्या : पाठ संख्या पाठयक्रम के विश्लेषण के अनुसार क्रम में पाठ की सटीक (exact) संख्या।

सामान्य सूचना (General information): शीट के मुख्य बिन्दुओं के मुख्य भाग को संक्षेप में अनुक्रम में समझाया गया तथा उद्देश्यों के अनुसार।

संदर्भ सामग्री **(Reference material):** यदि कोई संदर्भ है या आवश्यक है तो उसी का संकेत दिया जा सकता है यह एक पुस्तक पत्रिका या पहले का पाठ भी हो सकता है।

सूचना पत्रक के लाभ (Advantages of a information sheet)

- सूचना पूर्णतः नियोजित है।
- सूचना बिन्दूवार होता है।
- सूचना पाठ के उद्देश्य से सम्बन्धित हो।
- शिक्षण के सिद्धांतो "अवश्य जानना चाहिए, जानना चाहिए, जान सकता था" पर आधारित है।
- सूचना विद्यार्थीयों की आवश्यकताओं से सम्बन्धित है।
- भविष्य के संदर्भ के लिए सूचना पत्रक का उपयोग किया जा सकती है।
- सैद्धांतिक सत्रों के लिए सूचना पत्र बहुत उपयोगी है।

सूचना पत्रक की हानियां (Dis-advantages of a information sheet)

- यदि सही तरीके से सूचना पत्र तैयार ना किया जाए तो नकारात्मक तत्व बन जाता है।
- विद्यार्थी पूरी तरह से दी गई सूचना पर ही निर्भर हो जाते है।
- यह अधिकतर मात्र सैद्धांतिक सत्रों में उचित होता है सामग्री पूर्ण करने के लिए सूचना पत्र का फारमेट और शीर्षक एक साथ रख जाता है।

सूचना पत्रक (INFORMATION SHEET)

व्यवसाय :	**माडयूल** :
पाठ :	**समय** :

उद्देश्य : इस प्रदर्शन के अंत में प्रशिक्षणार्थी योग्य हो जाएगा।

A. ....

B. ....

C. ....

D. ....

सूचना पत्रक (INFORMATION SHEET)

व्यवसाय	: मशीन शाप ग्रुप	**मॉडयूल**	: बेसिक टर्नर
पाठ	: लेथल बेड	**समय**	: 1 घंटा

उद्देश्य :- इस पाठ के अंत में प्रशिक्षणार्थी योग्य हो जाएगा।

1 लैथ बेड के महत्व बता सके।

2 लैथ बेड के प्रकारों के नाम समझा सके।

3 प्रत्येक के गुणों व अवगुणों में अंतर बता सके।

लेथ बेड लेथ के सबसे महत्वपूर्ण भाग में से एक है और इसका दो उद्देश्य है (i) यह लेथ की निश्चित इकाईयों को पूर्ण संरेखण में रखता है। (ii) यह रास्ता प्रदान करता है जिस पर फिसलने वाली इकाईयों को संचालित किया जा सकता है।

यह बेड आमतौर पर भूरे रंग के कास्ट आयरन से बना होता है इसके कारण है

1 धातु मशीन में आसानी से प्रयोग।

2 अपने पीघले हुए चरण में सांचे के जटील भागों पर असानी से कब्जा कर सकती है।

3 लोड के तहत यह टूट सकता है लेकिन झुकता नही है।

लेथ बेड में कैंची हो सकती है (i) फ्लेट , (ii) उल्टा ‘Vee’, (iii) फ्लैट और Vee का संयोजन

तदनुसार बेड को फ्लेट बेड, “V” बेड और संयोजन बेड के रूप में जाना जाता है

तदनुसार बेड को फ्लैट भारी कामों के लिए प्रदान किया जाता है और vee बेड तरीके शुद्धता से काम करने के लिए प्रदान किए जाते है संयोजन बेड सामान्य प्रयोजन के काम के लिए लेथ में उपयोग किए जाते है।

लेथ बेड आमतौर पर रफ मशीनड होते है और इसकी उम्र बढाने तथा सीजनिंग के लिए कई महीनों तक खुली हवा में रखा जाता है ताकि जल वायु परिवर्तन के कारण यह सभी सम्भावित परिवर्तनों से जुड़ सके।

सामने और पीछे के रास्ते कडे जाले द्वारा कठोर रूप से समर्थीत है। लेथ बेड लेग्स पर बनाई जाती है जिसकी ऊँचाई लेथ के आधार पर निर्भर करती है। लेग्स को खोखले कास्टिंग द्वारा बनाया जाता है ताकि वह मुख्य मोटर और बिजली के स्विच बॉक्स को समायोजित कर सकें।

बेड का एक जुदा हिस्सा सिर के स्टाक सिरे पर लगाया जाता है जब बडे ब्यास और छोटी लम्बाई के काम को चालू किया जाता है तो विरोध को हटाया जा सकता है काम पूरा होने के बाद इसे फिर से इकट्ठा किया जा सकता है इसे गेप (Gap) बेड के रूप में जाना जाता है।

असाइन्मेंट (Assignment)

1 लेथ बेड के दो उद्देश्य क्या है?

2 उस सामग्री का नाम बताए जिससे लेथ बेड बनाया जाता है?

3 उपरोक्त के चार कारण बताए?

असाइनमेंट पत्रक (Assignment sheet)

उद्‌देश्य : इस पाठ के अन्त में आप निम्नलिखित कार्य करने योग्य होंगे :

- **असाइन्मेट शीट और इसके महत्व की व्याख्या करना**
- **असाइन्मेंट शीट के तत्वों की व्याख्या करना।**

असाइनमेंट पत्रक (Assignment sheet)

- यह "कार्य पत्रक" की तरह है।
- इसमें अनुदेशक सीखने वालों को प्रभावी शिक्षण उपकरण देता है।
- इस पत्रक में निम्नलिखित कारक है :
- समस्या को हल करना।
- सूचना पत्रक में दिए गए सवालों का जवाब देना।
- प्रदर्शन के अवलोकन या प्रयोग के बाद सीखने के नतीजे लिखना।
- इस पत्रक का प्रयोग कक्षा शिक्षण या शाप फ्लोर प्रदर्शन के लिए किया जा सकता है।
- यह शिक्षार्थी को कक्षा में जो सिखाया गया है उसे समेकित करने के लिए पर्याप्त सीखने के अनुभव प्रदान करता है ।
- सीखने वाला समस्याओं को हल करने की गतिविधियों के माध्यम से विशेष उद्देश्यों को प्राप्त करता है।
- असाइन्मेंट शीट, सिद्धांत या प्रायोगिक पाठ के जांच के बाद का परिणाम है।
- असाइन्मेंट शीट शिक्षण विज्ञान, गणना मसौदा (Calculation drfting) आदि तैयार करने में विशेष रूप से सहायक है।
- इस पत्रक में कार्यशाला की गतिविधियों के बारे में निर्देश को सुगम बनाया जा सकता है।
- आमतौर पर एक असाइन्मेंट पत्रक में उस के आवेदन के उदाहरणों के साथ पढाए जाने वाले सिद्धांत का विवरण और स्पष्टीकरण होता है।

एक असाइन्मेंट पत्रक में निम्नलिखित तत्व होते है (An assignment sheet has the following elements)

- असाइन्मेंट
- उद्देश्य
- निर्देश
- प्रक्रिया
- प्रश्न

असाइनमेंट (Assignment) : इसका उचित शीर्षक जरूर होना चाहिए ताकि असाइनमेंट क्या दर्शाता है स्पष्ट हो सके। इस विषय को सीधे तरीके से केन्द्रित करना चाहिए।

उद्देश्य : यह स्पष्ट शब्दों में दिया जाना चाहिए कि विद्यार्थी इस असाइनमेंट से क्या सीखते है।

प्रक्रिया (Procedure):

- इस assignment से विद्यार्थीयों को क्या सीखना है यह स्पष्ट शब्दों में दिया जाना चाहिए ।
- यदि निर्देश बहुत लम्बे हो तो वह अपना प्रभाव खो देते है।
- विद्यार्थी द्वारा पूर्वनिर्धारित कठिनाईयों को स्पष्ट रूप से संकेत किया जाना चाहिए।

प्रश्न (Questions):

- कुछ चुनिंदा प्रश्न जिनके उत्तर देने से उनके दिमाग में सीखने वाले के विचारों को ठीक करने में मदद मिलती है।

सामग्री संदर्भ (Reference to material):

- विशिष्ट पुस्तकों से प्रश्नों की श्रृंखला के लिए संदर्भ हो सकता है। उदाहरण के लिए पेज न. 210, समस्या संख्या 11 , 12 & 13 आदि।

INSTRUCTIONAL MATERIAL

असाइनमेंट पत्रक (ASSIGNMENT SHEET)

व्यवसाय .... तिथि ....

पाठ क्रमांक .... समय ....

पाठ्यक्रम .... नाम ....

I तैयारी (Preparation)

a **उद्देश्य** :- इस प्रदर्शन के अंत में प्रशिक्षणार्थी योग्य हो जाएगा।

1 ....

2 ....

b प्रस्तावना

c प्रक्रिया

d प्रश्न

e संदर्भ